भारत अक्षय विद्युत उत्पादन में नेतृत्वकर्ता एवं प्रति व्यक्ति न्यून ऊर्जा उपयोगकर्ता होने के बावजूद समग्र उत्सर्जन एवं ऊर्जा उत्पादकता के मामले में बहुत पीछे है

नयी रिपोर्ट में देशों को उर्जा, अर्थव्यवस्था तथा GHG उत्सर्जन के अनुसार रैंक दिया गया है

रिपोर्ट में जीवाश्म ईंधन को छोड़कर अक्षय ऊर्जा अपनाये जाने के ऐतिहासिक विश्वव्यापी परिवर्तन को वर्णित किया गया है

सैन फ्रांसिस्को, 18 मई 2015 -- इस वर्ष पेरिस में ऐतिहासिक संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP21) से पूर्व, पहली बार एक रिपोर्ट में भारत समेत विश्व के 50 सबसे बड़े ग्रीनहाउस गैस (GHG) उत्सर्जन राष्ट्रों के आर्थिक एवं ऊर्जा प्रदर्शन का विश्लेषण एवं रैंकिंग किया गया है।

नेक्स्ट 10 के *हरित नवप्रवर्तन सूचकांक, अन्तर्राष्ट्रीय संस्करण* - देश की GDP, उत्सर्जन, ऊर्जा उत्पादकता, स्वच्छ प्रौद्योगिकी निवेश तथा अन्य महत्वपूर्ण मीट्रिक्स को वर्णित कर रहा है। भारत की पहचान एक अक्षय ऊर्जा उत्पादन नेतृत्वकर्ता के रूप में की गई है जो कि उच्च उत्सर्जन एवं न्यून ऊर्जा उत्पादकता स्तरों के मामले में बहुत पीछे भी है।

व्यवसायी तथा गैर-पक्षपाती गैर-लाभ समूह नेक्स्ट 10 (www.Next10.org) के संस्थापक नोएल पेरी (F. Noel Perry) कहते हैं "अब विश्व की कुछ सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं आर्थिक वृद्धि तथा ऊर्जा उपयोग को पृथक कर रही हैं तथा अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के बावजूद भी वास्तव में अपनी GDP में वृद्धि कर रही हैं। पिछले वर्ष पहली बार ऐसा अवसर था जब हम निश्चित रूप से कह सकते थे कि आर्थिक मंदी के बजाय किसी अन्य कारण से वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में कमी आई है।"

जलवायु सप्ताह पेरिस के अनुसरण में तथा UNESCO मुख्यालय में व्यवसाय एवं जलवायु सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पेरी नयी रिपोर्ट के निष्कर्षों को पेरिस में होटल डि टैलीरैन्ड (Hotel de Talleyrand) में एक रिसेप्शन में अन्तर्राष्ट्रीय ऑडिएन्स समेत व्यवसाय एवं सरकारी नेतृत्वकर्ताओं एवं पत्रकारों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

विश्व के सबसे बड़ उत्सर्जकों में से एक, भारत, के लिए मुख्य निष्कर्षों में शामिल है:

- स्वच्छ प्रौद्योगिकी उपक्रम पूंजी में #9 (2014).
- कुल नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के लिए #10 (2012).
- प्रति व्यक्ति न्यूनतम कार्बन उत्सर्जन के लिए #5.
- प्रति व्यक्ति कुल ऊर्जा उपयोग में #4 (नाईजीरिया, फिलीपीन्स एवं पाकिस्तान से पीछे), तथा प्रति व्यक्ति ऊर्जा उपभोग में #5 (नाईजीरिया, पाकिस्तान, फिलीपीन्स एवं इंडोनेशिया से पीछे).
- वर्ष 1990-2012 के दौरान प्रति व्यक्ति विद्युत उपयोग में तीन गुना वृद्धि हुई (+174%), यद्यपि कि अपेक्षाकृत कम है।
- प्रति व्यक्ति ऊर्जा उपयोग में 111% वृद्धि हुई (1990-2012).
- वर्ष 1990-2012 के दौरान प्रति व्यक्ति उत्सर्जन में 120% वृद्धि हुई (+174%), यद्यपि कि अर्थव्यवस्था की तुलना में एक कम दर पर (GDP प्रति व्यक्ति +176%).
- चीन, U.S. (कैलीफोर्निया के साथ), EU, भारत, रूस, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, जापान, ऑस्ट्रेलिया एवं पोलैन्ड विश्व में शीर्ष दस उपभोक्ता हैं।

नेक्स्ट 10 के लिए *सूचकांक* को विकसित करने वाली कम्पनी कोलैबोरेटिव ईकोनॉमिक्स (Collaborative Economics) के अध्यक्ष एवं CEO डॉग हेन्टन (Doug Henton) कहते हैं "इस वर्ष के *हरित नवप्रवर्तन सूचकांक, अन्तर्राष्ट्रीय संस्करण* में

दुनियाभर में स्वच्छ ऊर्जा को अपनाए जाने का स्पष्ट परिवर्तन देखा गया है। यद्यपि कि जीवाश्म ईंधन अभी भी हमारे समग्र ऊर्जा उपयोग के एक महत्वपूर्ण हिस्से को दर्शाता है, लेकिन बहुत से विश्लेषकों का मानना है कि हम वैश्विक रूप से एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर आ गए हैं, अब हम जीवाश्म ईंधन की तुलना में अक्षय ऊर्जा के लिए प्रति वर्ष और अधिक क्षमता की वृद्धि कर रहे हैं।'

हरित नवप्रवर्तन सूचकांक, अन्तर्राष्ट्रीय संस्करण दर्शाता है कि ग्रीनहाउस गैसों के विश्व के शीर्ष 50 उत्सर्जक देशों में यह परिवर्तन हो रहा है। इन देशों में कैलीफोर्निया के अतिरिक्त निम्न देश शामिल हैं:

- स्पेन, जर्मनी, इटली, कैलीफोर्निया, फिलीपीन्स, EU, बेल्जियम, नीदरलैन्ड्स, U.K. तथा ग्रीस (इसी क्रम में) ऐसे शीर्ष उत्सर्जक देश हैं जहां पर विद्युत में अक्षय ऊर्जा की महत्वपूर्ण भागीदारी है।
- न्यूनतम कार्बन तीव्रता में फ्रांस नेतृत्वकर्ता है; उजबेकिस्तान शीर्षतम है (GHG प्रति GDP)।
- स्वच्छ प्रौद्योगिकी पेटेन्ट्स में क्रमवार शीर्ष दस देश हैं - U.S. (कैलीफोर्निया के साथ), EU, जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, कैलीफोर्निया, चीन, ताईवान, फ्रांस, तथा U.K. (2014)।
- स्वच्छ प्रौद्योगिकी उपक्रम पूंजी में क्रमवार शीर्ष पांच देश हैं - U.S. (कैलीफोर्निया के साथ), कैलीफोर्निया, EU, चीन, तथा U.K. (2014)।
- वर्ष 2013-2014 से स्वच्छ प्रौद्योगिकी उपक्रम पूंजी निवेश में हुई वृद्धि - चीन (135 प्रतिशत), कैलीफोर्निया (153 प्रतिशत), कैलीफोर्निया के साथ U.S. (74 प्रतिशत), U.K. (34 प्रतिशत), सिंगापुर (5677 प्रतिशत), तथा विश्वव्यापी (63 प्रतिशत)।
- वर्ष 2013-2014 से स्वच्छ प्रौद्योगिकी उपक्रम पूंजी निवेश में आई कमी - EU (-10 प्रतिशत), फ्रांस (-43 प्रतिशत), कनाडा (-19 प्रतिशत), भारत (-4 प्रतिशत), तथा इजराइल (-11 प्रतिशत)।
- नाईजीरिया में प्रति व्यक्ति न्यूनतम उत्सर्जन, प्रति व्यक्ति ऊर्जा एवं विद्युत उपयोग तथा उच्चतम ऊर्जा उत्पादकता (GDP प्रति ऊर्जा इकाई)। वर्ष 1990-2012 के दौरान ऊर्जा प्रति व्यक्ति ऊर्जा में लगभग 26 प्रतिशत की कमी आई है।
- ऊर्जा उपभोग से क्रमवार शीर्ष दस उत्सर्जक हैं - चीन, U.S., EU, भारत, रूस, जापान, जर्मनी, दक्षिण कोरिया, ईरान तथा सउदी अरब।
- वर्ष 1990-2012 के दौरान U.S. में प्रति व्यक्ति GHG उत्सर्जन में 17 प्रतिशत कमी आई, वहीं चीन में प्रति व्यक्ति उत्सर्जन में 222 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- विश्व में स्वच्छ प्रौद्योगिकी पेटेन्ट्स में U.S. तथा EU के पश्चात जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी तथा कैलीफोर्निया नेतृत्वकर्ता हैं।
- फ्रांस, कैलीफोर्निया, तथा इटली में न्यूनतम कार्बन प्रधान अर्थव्यवस्था है।
- ऊर्जा उत्पादकता के मामले में नाईजीरिया, इटली, जापान, U.K. तथा कैलीफोर्निया विश्व नेतृत्वकर्ता हैं (प्रति इकाई ऊर्जा उत्पन्न डॉलर)।

इस सप्ताह पेरिस में जलवायु सप्ताह का आरंभ हुआ - जो कि वैश्विक व्यवसाय एवं नीति नेतत्वकर्ताओं का एक ऐतिहासिक सम्मेलन है। पेरिस में UNESCO कार्यालयों में व्यवसाय एवं जलवायु सम्मेलन जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से नेतृत्वकर्तागण कार्बन-मुक्त अर्थव्यवस्था बनाने के लिए व्यावसायिक एवं नीति समाधानों पर प्रकाश डालेंगे। इन कार्यक्रमों को अन्तर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेन्सी की घोषणा को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया जा रहा है, जिसमें सुझाव दिया गया है कि आर्थिक वृद्धि को GHG उत्सर्जन से पृथक किया जाना चाहिए, क्योंकि वर्ष 2014 में अर्थव्यवस्था में वृद्धि हुई है लेकिन कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि नहीं हुई है। व्यवसाय एवं जलवायु सम्मेलन, इस वर्ष आगे पेरिस में ही आयोजित किए जाने वाले एक महत्वपूर्ण UN जलवायु सम्मेलन में एक जलवायु अनुबंध को दिशा प्रदान करने वाले अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों की एक कड़ी है।

***सूचकांक* के निष्कर्षों को Twitter पर साझा करें:**

- भारत अधिकांश देशों की तुलना में प्रति व्यक्ति कम #ऊर्जा (#energy) का उपयोग करता है www.next10.org/international
- भारत वैश्विक स्तर पर 4था सबसे बड़ा GHG उत्सर्जक देश है www.next10.org/international

नेक्स्ट 10 के बारे में

नेक्स्ट 10 (Next 10) एक स्वतंत्र, गैर-पक्षपाती संगठन है जो कैलीफोर्निया निवासियों को राज्य का भविष्य बेहतर बनाने के लिए शिक्षित करता है, अपने साथ जोड़ता है तथा सशक्त करता है। अर्थव्यवस्था, पर्यावरण तथा जीवन गुणवत्ता को पृथक करने के उद्देश्य के साथ नेक्स्ट 10 जटिल राज्य मुद्दों पर अग्रणी विशेषज्ञों के शोध का प्रयोग करता है तथा हमारे राज्य को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों की बेहतर समझ को बढ़ावा देने के लिए गैर-पक्षपाती शैक्षिक सामग्रियों का एक पोर्टफोलियो तैयार करता है।

कोलैबोरेटिव ईकोनॉमिक्स के बारे में,

कोलैबोरेटिव ईकोनॉमिक्स (Collaborative Economics) (www.coecon.com) जिसने हरित नवप्रवर्तन सूचकांक को संकलित किया है, एक सिलिकॉन वैली स्थित शोध एवं परामर्श संगठन है। CoEcon देश में राज्य एवं प्रांतों के लिए अग्रणी नवप्रवर्तन करने व अर्थव्यवस्था विश्लेषण करने के लिए व्यवसायों, फाउंडेशनों, सरकार, शिक्षा एवं सामुदायिक क्षेत्रों के साथ कार्य करती है।

सम्पर्क: Cater Communications (कैटर कम्युनिकेशंस), 415.453.0430